**मनोविज्ञान के प्रणालियों (System of Psychology) का परिचय – हिंदी में**

**परिचय:**

मनोविज्ञान की विभिन्न प्रणालियाँ (Systems of Psychology) वे सिद्धांतात्मक दृष्टिकोण हैं, जिनके माध्यम से मानव व्यवहार और मानसिक प्रक्रियाओं को समझने, विश्लेषण करने और व्याख्यायित करने का प्रयास किया गया है। इन प्रणालियों ने मनोविज्ञान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और विभिन्न मनोवैज्ञानिक विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं।

हर प्रणाली अपने दृष्टिकोण, पद्धति और अध्ययन के विषय पर आधारित होती है। ये प्रणालियाँ समय के साथ विकसित हुई हैं और एक-दूसरे के पूरक या विरोधी भी रही हैं।

**मनोविज्ञान की प्रमुख प्रणालियाँ:**

1. **संरचनावाद (Structuralism):**
   * प्रवर्तक: विल्हेम वुंट और एडवर्ड ब्रैडफोर्ड टिचनर
   * उद्देश्य: चेतना की संरचना का अध्ययन करना।
   * विधि: आत्मावलोकन (Introspection)
2. **कार्यक्षमतावाद (Functionalism):**
   * प्रवर्तक: विलियम जेम्स
   * उद्देश्य: यह समझना कि मानसिक प्रक्रियाएँ कैसे कार्य करती हैं और व्यक्ति के अनुकूलन में कैसे सहायक होती हैं।
3. **गैश्टाल्टवाद (Gestalt Psychology):**
   * प्रवर्तक: मैक्स वर्टहाइमर, कोहलर, और कर्ट कोफ्का
   * सिद्धांत: "समग्रता का सिद्धांत" – संपूर्ण का अर्थ उसके भागों के योग से अधिक होता है।
4. **मनोविश्लेषण (Psychoanalysis):**
   * प्रवर्तक: सिगमंड फ्रॉयड
   * उद्देश्य: अवचेतन मन, इच्छाओं, संघर्षों और अनुभवों का अध्ययन
   * उपचार: मुक्त संघ (Free Association), स्वप्न विश्लेषण
5. **व्यवहारवाद (Behaviorism):**
   * प्रवर्तक: जॉन बी. वॉटसन, बी. एफ. स्किनर
   * उद्देश्य: केवल प्रत्यक्ष रूप से देखे जा सकने वाले व्यवहार का अध्ययन
   * सिद्धांत: अभ्यास, पुनर्बलन (Reinforcement), दंड
6. **मानवतावाद (Humanism):**
   * प्रवर्तक: कार्ल रोजर्स, अब्राहम मास्लो
   * उद्देश्य: व्यक्ति की संभावनाओं, आत्मविकास और स्वाभाविक अच्छाई पर बल देना।
7. **संज्ञानात्मक दृष्टिकोण (Cognitive Psychology):**
   * उद्देश्य: सोच, स्मृति, निर्णय, भाषा और समस्या समाधान जैसी मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करना।
8. **जैविक दृष्टिकोण (Biological Psychology):**
   * उद्देश्य: मस्तिष्क, तंत्रिका तंत्र, हार्मोन आदि के माध्यम से व्यवहार को समझना।

**निष्कर्ष:**

मनोविज्ञान की विभिन्न प्रणालियाँ मानव व्यवहार को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझने का प्रयास करती हैं। इनमें से प्रत्येक प्रणाली ने मनोविज्ञान के ज्ञान को समृद्ध किया है और आधुनिक मनोविज्ञान की नींव रखी है। आज का समकालीन मनोविज्ञान इन सभी दृष्टिकोणों के एक समग्र और संतुलित दृष्टिकोण को अपनाता है।